http://www.pdusuonline.com

B.A. (Part-I) EXAMINATION, 2016

(10+2+3 Pattern) **(Faculty of Arts)**

[Also Common with Subsidiary Paper of B.A. (Hons.)]

[Part-I Three-Year Scheme of 10+2+3 Pattern]

संस्कृत-प्रथम वर्ष (द्वितीय प्रश्न-पत्र)

(भारतीय संस्कृति के तत्त्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण)

Time : Three Hours) [Max. Marks : 100

नोट- सभी (वस्तुनिष्ठ तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही दें। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें। किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

PART-I (OBJECTIVE)

Maximum Marks : 30

नोट- प्रश्न क्रमांक 1 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। इन प्रश्नों के उत्तर 15-20 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए। प्रश्न क्रमांक 11 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न का 1 अंक है।

1. (i) सांख्य दर्शन के प्रवर्तक आचार्य का नाम लिखिए।

(ii) चित्र लिपि का आविष्कार विश्व में कितने रूपों में हुआ? किन्हीं तीन का नाम लिखिए।

(iii) पंच महायज्ञों के नाम लिखिए।

(iv) वनेचर ने युधिष्ठिर से कहाँ मुलाकात की?

(v) विचित्ररूपाः खलु चित्तवृत्तयः का भावार्थ लिखिए।

(vi) भारवि के काव्य को किस टीकाकार ने नारियल फल के समान कहा है?

(vii) 'किरातार्जुनीयम्' के अनुसार विजयार्थी राजा को क्या करना चाहिए?

(viii) 'पद' किसे कहते हैं?

(ix) 'टि संज्ञा' किसकी होती है?

(x) ससजुषोः रुः का अर्थ लिखिए।

(xi) इत्संज्ञक वर्ण का लोप होता है

(क) अदर्शनं लोपः (ख) तस्य लोपः (ग) लोपः शाकल्यस्य (घ) ठुलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः

(xii) गङ्गोदकम् किस सूत्र का उदाहरण है

(क) इकोयणचि (ख) वृद्धिरेचि (ग) आद्गुणः (घ) अनचि च

(xiii) धकार का उच्चारण स्थान है-

(क) कण्ठोष्ठम् (ख) दन्तोष्ठम् (ग) कण्ठतालु (घ) दन्ताः

(xiv) हल परे रहते मकारान्त पद को अनुस्वार होता है

http://www.pdusuonline.com

(क) मोऽनुस्वारः (ख) हे मपरे वा (ग) पुमः खय्यमपरे (घ) पदान्ताद्वा

(xv) 'यशांसि' शब्द में मकार को झल् परे रहते अनुस्वार आदेश होता है

(क) मोऽनुस्वारः (ख) नश्चापदान्तस्य झलि http://www.pdusuonline.com

(ग) अनुस्वरस्य ययि पर सवर्णः (घ) हे मपरे वा।

(xvi) स्वरों के व्यवधान से रहित हल् वर्गों की संयोग संज्ञा होती है

(क) तुल्यास्य प्रयत्नं सवर्णम् (ख) हलोऽनन्तराः संयोगः

(ग) समाहारः स्वरितः (घ) आदिरन्त्येन सहेता

(xvii) 'विसर्जनीयस्य सः' सूत्र से विसर्ग के स्थान पर सकार होता है-

(क) चर् परे रहते (ख) खर् परे रहते (ग) झल् परे रहते (घ) जश् परे रहते

(xviii) संस्कृत व्याकरण में 'रेफ' से तात्पर्य है-

(क) र् (ख) फ् (ग) रफ् (घ) र्फ

(xix) 'अहरहः' पद में मूल शब्द है-

(क) अहर् (ख) अहन्. (ग) अहह् (घ) अहः

(xx) प्रत्याहार में वणे को किया जाता है-

(क) संक्षिप्त (ख) विस्तृत (ग) व्याख्यायित (घ) रूपान्तरित

PART-II (DESCRIPTIVE)

Maximum Marks : 70

2. भारतीय संस्कृति का वैशिष्ट्य प्रस्तुत करते हुए अन्य देशों की संस्कृतियों के साथ तुलना कीजिए। 10

अथवा

"सम्पूर्ण जीवन शिक्षा के लिए था तथा शिक्षा सम्पूर्ण जीवन के लिए थी।" के परिप्रेक्ष्य में प्राचीन शिक्षा पद्धति पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए : 5

(i) संस्कार। (ii) राज्य का सप्तांग सिद्धान्त।

4. निम्नलिखित में में किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये- 6+6

(क) द्विषन्निमित्ता यदियं दशा ततः

समूलमुन्मूलयतीव मे मनः।

परैरपर्यासित वीर्य सम्पदा

पराभवोऽप्युत्सव एव मानिनाम्॥

(ख) न तेन सज्यं क्वचिदुद्यतं धनुः

कृतं न वा कोपविजिह्ममाननम् ।

गुणानुरागेण शिरोभिरुह्यते नराधिपैर्माल्यमिवास्य शासनम्॥

(ग) कर्तारिषड्वर्गजयेन मानवी

मगम्यरूपां पदवीं प्रपित्सुना।

विभज्य नक्तन्दिवमस्ततन्द्रिणा

वितन्यते तेन नयेन पौरुषम् ॥

(घ) इमामहं वेद न तावकी धियं

विचित्ररूपाः खलु चित्तवृत्तयः।

विचिन्तयन्त्या भवदापदं परां।

रुजन्ति चेतः प्रसभं ममाधयः॥

5. 'किरातार्जुनीयम्' के प्रथम सर्ग के आधार पर द्रोपदी के चरित्र का चित्रण कीजिए। 5

अथवा http://www.pdusuonline.com

'भारवेरर्थगौरवम्' उक्ति के आधार पर भारवि की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं 'पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए- 10

(i) पिपासा का अन्त नहीं है और संतोष ही परम मग्न है।

(ii) भारतीय राज्यों में राजस्थान राज्य महत्त्वपूर्ण गिना जाता है।

(iii) पर्यावरण के प्रदूषण के प्रभाव से संसार में रोग आदि की वृद्धि होती है।

(iv) आजकल केवल भारत में ही नहीं, अपितु समूचे विश्व में जनसंख्या की वृद्धि का प्रकोप फैलता जा रहा है।

(v) शक्ति के अनुसार कार्य करना चाहिए।

(vi) सुख और दुःख चक्र के समान घूमते रहते हैं।

(vii) 'काव्यों में नाटक रमणीय है।

(viii) दुष्ट के साथ दुष्टता का आचरण करना चाहिए।

(ix) सच्ची वाणी में माधुर्य नहीं होता।

(x) हिमालय से लेकर समुद्र तक भारत की सीमा है।

7. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या कीजिये- 4

(i) परः सन्निकर्षः संहिता। (ii) मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः।

(iii) समाहारः स्वरितः। (iv) हलन्त्यम्।

8. (अ) निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या कीजिए- 4

(i) अकः सवर्णे दीर्घः। (ii) वान्तो यि प्रत्यये।

(iii) उपदेशेऽजनुनासिक इत्। (iv) वृद्धिरेचि।

(ब) निम्नांकित शब्दों में से किन्हीं दो की सिद्धि कीजिए- 4

(i) प्रष्ठौह। (ii) दैत्यारि। (iii) उपेन्द्रः (iv) नायक।

(अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या कीजिए- 4

(i) ष्टुना ष्टुः। (ii) उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य। (iii) खरि च। (iv) झयो होऽन्यतरस्याम्।

http://www.pdusuonline.com

(ब) किन्हीं दो शब्दों की सिद्धि कीजिए- http://www.pdusuonline.com 4

(i) सच्चित्। (ii) वागीशः। (iii) तल्लयः। (iv) हरिवन्दे।

10. (अ) निम्नलिखित में से किसी एक सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए- 2

(i) हशि च। (ii) विप्रतिषेधे परं कार्यम।

(ब) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए- 2

(i) मनोरथः (ii) शिवो वन्द्यः

(स) निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए

(i) लटः शतृशानचावप्रथमासमानाधिकरणे। (ii) ऋहलोर्ण्यत्।

(iii) समानकर्तृकयोः पूर्वकाले। (iv) समासेऽनञ् पूर्वे क्त्वो ल्यप्।

http://www.pdusuonline.com